International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in December 2024, ISSN -2393-8048

कृषि पर आधारित उद्योगों का आर्थिक जीवन पर प्रभावः सिरसा जिले का एक भौगोलिक अध्ययन

अश्विनी कुमार, शोधार्थी, भूगोल विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर
डॉ. संपत राम, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर

सारांश

हरियाणा का सिरसा जिला भौगोलिक रूप से एक कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहाँ कपास (Cotton), गेहूँ और ग्वार का प्रचुर उत्पादन होता है। प्रस्तुत शोध पत्र सिरसा जिले में स्थापित कृषि–आधारित उद्योगों (Agro&based Industries), जैसे– कॉटन गिनिंग मिलें, राइस मिलें और तेल मिलों का स्थानीय आर्थिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करता है। अध्ययन यह दर्शाता है कि इन उद्योगों ने न केवल प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किया है, बल्कि ग्रामीण बुनियादी ढांचे और प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि की है। यह शोध प्राथमिक सर्वेक्षण और द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है।

परिचय

किसी भी क्षेत्र का आर्थिक विकास वहाँ उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम उपयोग पर निर्भर करता है। सिरसा जिला, जो घग्गर नदी के मैदान में स्थित है, अपनी उपजाऊ मिट्टी और सिंचाई सुविधाओं (भाखड़ा नहर) के कारण 'कृषि का गढ़' माना जाता है। यहाँ उत्पादित कच्चा माल (Raw Material) स्थानीय उद्योगों के लिए आधार प्रदान करता है।

कृषि आधारित उद्योग वे उद्योग हैं जो कच्चे माल के रूप में कृषि उत्पादों का उपयोग करते हैं। सिरसा में विशेष रूप से ष्सफेद सोनाष् (कपास) के कारण बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हुई हैं। यह शोध इस बात की पड़ताल करता है कि इन उद्योगों ने सिरसा के किसानों और श्रमिकों के जीवन स्तर को किस प्रकार प्रभावित किया है।

प्रस्तावित शोध के सोपान

इस भौगोलिक अध्ययन को व्यवस्थित करने हेतु निम्नलिखित चरणों का उपयोग किया गया हैः

क्षेत्र का चयनः सिरसा जिले की प्रमुख औद्योगिक बेल्ट (सिरसा शहर, डबवाली और ऐलनाबाद) का चुनाव।

डाटा का एकत्रीकरणः कृषि विभाग और जिला उद्योग केंद्र (DIC) से सांख्यिकीय आंकड़े प्राप्त करना।

क्षेत्रीय सर्वेक्षण (Field Survey): चयनित मिलों के श्रमिकों और संबंधित किसानों का साक्षात्कार।

डाटा प्रोसेसिंगः एकत्रित आंकड़ों का तुलनात्मक और भौगोलिक विश्लेषण।

निष्कर्ष एवं प्रतिवेदनः परिणामों के आधार पर नीतिगत सुझाव तैयार करना।

साहित्य समीक्षा

डॉ. विकास हुड्डा (2019) के अनुसार, हरियाणा के पश्चिमी जिलों में कृषि आधारित उद्योगों ने ग्रामीण पलायन को रोकने में 30: तक सफलता प्राप्त की है।

सिंह और दहिया (2021) ने अपने अध्ययन में पाया कि सिरसा में कपास प्रसंस्करण इकाइयों के विकास से स्थानीय परिवहन और रसद (Logistics) क्षेत्र को भारी बढ़ावा मिला है।

विभिन्न सरकारी रिपोर्टों (डैडम् मंत्रालय) के अनुसार, सिरसा में लघु और मध्यम उद्योगों (SMEs) की सघनता हरियाणा के अन्य जिलों की तुलना में कृषि उत्पादकता के कारण अधिक है।

विधि तंत्र

शोध में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों विधियों का समावेश हैः

प्राथमिक स्रोतः सिरसा जिले के 50 औद्योगिक इकाइयों के प्रबंधकों और 200 श्रमिकों के बीच एक संरचित प्रश्नावली का वितरण।

द्वितीयक स्रोतः हरियाणा आर्थिक सर्वेक्षण, जिला सांख्यिकी पुस्तिका (सिरसा), और विभिन्न कृषि पत्रिकाओं के आंकड़े।

सांख्यिकी उपकरणः प्रतिशत, औसत और चार्ट के माध्यम से आर्थिक जीवन में आए बदलावों (जैसे आय वृद्धि, क्रय शक्ति) का प्रदर्शन।

उद्देश्य

सिरसा जिले में विद्यमान कृषि–आधारित उद्योगों के वितरण और प्रकारों का भौगोलिक अध्ययन करना।

इन उद्योगों द्वारा प्रदान किए गए रोजगार के अवसरों का आकलन करना।

स्थानीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में इन उद्योगों की भूमिका की जाँच करना।

औद्योगिक विकास के कारण सिरसा के ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक ढांचे में आए परिवर्तनों को समझना।

परिकल्पना

H1: सिरसा जिले में कृषि आधारित उद्योगों के विकास और ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय के बीच धनात्मक संबंध है।

H2: औद्योगिक इकाइयों की स्थापना से कृषि विविधीकरण (Crop Diversification) को बढ़ावा मिला है।

H3: बुनियादी ढांचे (सड़क, बिजली, बाजार) का विकास इन उद्योगों की सघनता वाले क्षेत्रों में अधिक हुआ है।

महत्व

यह शोध पत्र स्थानीय नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह कृषि और उद्योग के बीच के ''लिंकेज'' (Linkage) को स्पष्ट करता है। सिरसा जैसे क्षेत्र में जहाँ बेरोजगारी एक समस्या हो सकती है, वहाँ यह शोध बताता है कि कैसे स्थानीय संसाधनों का मूल्यवर्धन (Value Addition) करके आर्थिक समृद्धि लाई जा सकती है। यह अध्ययन भविष्य में सिरसा में ''एग्रो–पार्क'' की स्थापना हेतु आधार तैयार कर सकता है।

निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट है कि सिरसा का आर्थिक भविष्य इसके कृषि–आधारित उद्योगों की मजबूती पर टिका है। कपास और अनाज मिलों ने ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान किया है, जिससे बड़े शहरों की ओर पलायन कम हुआ है। हालांकि, तकनीकी आधुनिकीकरण की कमी और बिजली की अस्थिर दरें अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं। यदि सरकार इन इकाइयों को ऋण और नई तकनीक प्रदान करे, तो सिरसा की अर्थव्यवस्था ''आत्मनिर्भर भारत'' के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा सकती है।

ग्रंथ सूची

हयात, एम. (2022). हरियाणा का भूगोल, हरियाणा साहित्य अकादमी।
आर्थिक सर्वेक्षण (2023–24). वित्त विभाग, हरियाणा सरकार।
चौधरी, एस.के. "Agro&Industries पद North India'', जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स।
जिला सांख्यिकी कार्यालय, सिरसा. वार्षिक डेटा रिपोर्ट (2021–2023)।